BSKC-133

B.A. in Applied Sanskrit

(BAASK)

2nd year के लिए सत्रीय कार्य

(जनवरी, 2024 एवं जुलाई, 2024 सत्रों के लिये)

BSKC-133 संस्कृत नाटक

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

2nd year का सत्रीय कार्य - जनवरी, 2024 एवं जुलाई, 2024

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता :....................

दिनाँक :.......................

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.................

सत्रीय कार्य कोड :.........................

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :....................

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन**:** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास**:** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट**:** याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है**,** अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी, 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

जुलाई, 2024 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2025

सत्रीय कार्य : **BSKC – 133** संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम कोड **BSKC – 133**

पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत नाटक

सत्रीय कार्य : **BSKC – 133/TMA/2~~023-24~~**

पूर्णांक : 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : - **15X2=30**

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: -

(अ) कर्णौ त्वरापहृतभूषणभुग्नपाशौ

संस्रंसिताभरणगौरतलौ च हस्तौ ।

एतानि चाभरणभारनतानि गात्रे

स्थानानि नैव समतामुपयान्ति तावत ।।

अथवा

तं स्मृत्वा शुल्कदोषं भवतु मम सुतो राजेत्यभिहितं

तद्धैर्येणाश्वसन्त्या व्रज सुत ! वनमित्यार्योऽप्यभिहितः ।

तं दृष्ट्वा बद्धचीरं निधनमसदृशं राजा ननु गतः

पात्यन्ते धिक्प्रलापा ननु मयि सदृशाः शेषाः प्रकृतिभिः ।।

(ब) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा

तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम् ।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्

कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव ।।

अथवा

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला ।
तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि ।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न : - **5X5=25**

2. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति सम्बन्धी 'दैवीय उत्पत्ति के सिद्धान्त' को लिखिए ।

3. 'वीथी' रूपक को लक्षण सहित स्पष्ट कीजिए ।

4. विदूषक क्या है? लक्षण सहित स्पष्ट कीजिए ।

5. 'प्रतिमानाटकम्' नाटक के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए ।

6. "अनुचरति शशाङ्क राहुदोषेऽपि तारा" इस सूक्ति को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : -

7. कालिदास के व्यक्तित्व, कर्तृत्व एवं शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए । **10**

8. 'प्रतिमानाटकम्' के आधार पर सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए । **10**

9. 'उपमा कालिदासस्य' इसको स्पष्ट कीजिए । **10**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए: - **15**

(अ) स्वगत (ब) प्रवेशक

(स) प्रस्तावना (द) भरतवाक्य